Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 110011477 Date: 08/05/2020 Validity : One Year Only

नाम: Himanshu Garg	जन्म तिथि: 31/12/1986	जन्म समय: 7:50 AM
जन्म स्थान: Bulandshahr (UP)	मांगलिक योग: NO (नहीं)	इष्ट देव: Mangal Dev
लग्न: Dhanu Lagna	राशि: Dhanu	नक्षत्र: पूर्वाषाढ़ा - 1

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) : (After 09/03/20 — शादी के योग बनेंगे!)

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Surya	100 %	Guru	25%
2.	Budh (अस्त)	Nill	Chandra	100 %
3.	Mangal	5%	Shukra	0 % - 5 %
4.	Ketu (व)	40 %	Shani	80 %
5.			Rahu (व)	40%
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, पन्ना को चाँदी में धारण करें! तथा लाल रंग के कपड़े अधिक पहनें। पन्ना Marriage के लिए बहुत जरूरी है।

3. कुण्डली दोष: अंगारक योग, काल सर्प योग: Rahu के दान व उपाय हर शनिवार को करने से काल सर्प योग शान्त होगा। (After Sunset)

4. शुभ दिन: Sunday, Tuesday, Wednesday.

5. शुभ रंग: (लाल, मरून, हरा) अशुभ :- (पीला, काला, नीला) से परहेज करें।

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पन्ना (Emerald)	7+	Right	little	चाँदी में बुधवार को सुबह 8:15 AM पर धारण करें।
2. मूँगा (Red Coral)	10+	Right	Ring.	सोने, पीतल, Brass में मंगलवार को शुक्ल पक्ष में (8:15 AM) पर।
3.				

Note:- दोनों एक साथ शुभ में धारण ना करें! एक समय पर एक ही धारण करना है।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. Office Address (Head Office): Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. **वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):**

ओपल, हीरा, जरकन, फिरोजा, पुखराज, नीलम, मोती, गोमेद आदि रत्न वर्जित है।

* **नोट :** रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता हैं। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** शुक्र देव : शुक्र देव का दान करने से शरीर में रोग कम होंगे। तथा चन्द्र के दान करने से health में सुधार आयेगा। मन शान्त रहेगा, परेशानी कम होगी (life में)। (Life long follow कर सकते हैं।)

9. **रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।
शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : शुक्र देव, चन्द्र देव, बृहस्पति देव, शनिदेव, राहु देव

Comments: का दान व उपाय करने से शरीर के रोग कम होंगे। तथा समस्त परेशानी समाप्त होगी।

☺ शनिदेव की साढे साती का last 2½ साल चल रहा है। 24/01/20 से 2½ साल तक चलेगी। साढेसाती काफी कष्टकारी रहेगी। लम्बी चलने वाली बीमारी, धन का अभाव, परिवार में समस्या, seniors का साथ नहीं मिलेगा, Job में परेशानी रहेगी। रोग, कर्ज, शत्रु आदि Active होंगे। तथा पिता से भी दूरी बढ़ सकती है। अतः वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।
↳ शनिदेव के दान व उपाय आगे report से follow करे।
↳ सभी उपाय व दान सूर्यास्त के बाद होंगे।
↳ पीपल को जल हर शनिवार को अवश्य दें। तथा शनिदेव के मंत्र व दान सूर्यास्त के बाद अवश्य करे।

☺ बृहस्पतिदेव के कारण marriage होने में परेशानी आएगी। तथा Diabetes, Sugar होने का खतरा बढ़ेगा। गुरु के दान हर बृहस्पतिवार को अवश्य करे। तथा केले के पेड़ को जल दें तथा पूजा करे नियमित रूप से।

☺ पन्ना अवश्य धारण करे (for marriage).

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

चन्द्र देव, गुरु देव, शनिदेव के उपाय नियमित रूप से करना है।
शनिवार को राहुदेव तथा शनिदेव के उपाय व दान अवश्य करें।
सोमवार को चन्द्र का दान व उपाय, मंत्र जाप करना है।
बृहस्पतिवार को गुरु के दान, उपाय, मंत्र जाप करना है।

दशा :- 09/08/2010 to 09/08/2020 — चन्द्र की महादशा (खराब-100%)

चन्द्र/सूर्य/शनि : 06/05/20 to 03/06/20 — खराब (100%)
(चन्द्र तथा शनि के दान) होंगे।

चन्द्र/सूर्य/बुध : 04/06/20 to 28/06/20 — सामान्य — (राहत मिलेगी)
(चन्द्र & शनि, गुरु, राहु के दान)

— / केतु : 29/06/20 to 09/07/20 — सामान्य (अनुकूल समय रहेगा)
— / शुक्र : 10/07/20 to 09/08/20 — खराब (100%)

मंगल की महादशा :- 09/08/2020 to 09/08/2027 — अच्छी दशा (10%)
(मूंगा धारण करना लाभप्रद होगा) After marriage धारण करें तथा पन्ना निकाल सकते हैं।

* 06/01/21 to 23/01/22 : खराब दशा (50%) — राहु का दान करना है।
24/01/22 to 30/12/22 : खराब (30%) — गुरु का दान करना है।
31/12/22 to 08/02/24 : खराब (80%) — (शनि के दान व उपाय करना है)
* उपाय करने से खराब समय भी अच्छा हो सकता है। ∴ दान अवश्य करें।

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय: **(शुक्रवार को करना है)**	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।** **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**

नोट: अमावश्या के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011477 Date: 08/05/2020

Himanshu Garg

31 Dec 1986 07:50 AM

Bulandshahr

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Himanshu Garg

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011477 Date: 08/05/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **31/12/1986**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	: **07:50:00 ांटे**
इष्ट	: 01:37:18 घटी
स्थान	: **Bulandshahr**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 28:30:00 उत्तर
रेखांश	: 77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 07:31:16 घंटे
वेलान्तर	: -00:02:50 घंटे
साम्पातिक काल	: 14:08:10 घंटे
सूर्योदय	: 07:11:04 घंटे
सूर्यास्त	: 17:32:14 घंटे
दिनमान	: 10:21:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 15:25:32 धनु
लग्न के अंश	: 24:02:13 धनु

चैत्रादि संवत / शक	: 2043 / 1908
मास	: पौष
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 15
तिथि समाप्ति काल	: 08:39:48
जन्म तिथि	: 15
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: पूर्वाषाढ़ा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 26:10:57 घंटे
जन्म नक्षत्र	: पूर्वाषाढ़ा
सूर्योदय कालीन योग	: ध्रुव
योग समाप्ति काल	: 21:57:52 घंटे
जन्म योग	: ध्रुव
सूर्योदय कालीन करण	: नाग
करण समाप्ति काल	: 08:39:48 घंटे
जन्म करण	: नाग
भयात	: 06:13:33
भभोग	: 52:05:55
भोग्य दशा काल	: शुक्र 17 वर्ष 7 मा 8 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: धनु – गुरु
राशि–स्वामी	: **धनु – गुरु**
नक्षत्र–चरण	: **पूर्वाषाढ I – 1**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: ध्रुव
करण	: नाग
गण	: मनुष्य
योनि	: वानर
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मूषक
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: भू–भूपेन्द्र
पाया(राशि–नक्षत्र)	: स्वर्ण – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ात चक्र	
मास	: श्रावण
तिथि	: 3-8-13
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: भरणी
योग	: वज्र
करण	: तैतिल
प्रहर	: 1
वर्ग	: मार्जार
लग्न	: धनु
सूर्य	: तुला
चन्द्र	: मीन
मंगल	: वृश्चिक
बुध	: सिंह
गुरु	: धनु
शुक्र	: कुम्भ
शनि	: कन्या
राहु	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	24:02:13	366:26:34	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	———
सूर्य			धनु	15:25:32	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	14:55:45	15:22:39	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			मीन	00:26:41	00:41:53	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	08:05:35	01:33:48	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	23:41:38	00:09:20	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			तुला	29:37:00	00:52:31	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
शनि			वृश्चि	21:36:26	00:06:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	23:20:21	00:11:12	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	23:20:21	00:11:12	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	29:52:17	00:03:33	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	———
नेप			धनु	11:58:43	00:02:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	———
प्लूटो			तुला	15:45:46	00:01:28	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	———
दशम भाव			तुला	10:37:33	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:27

लग्न–चलित

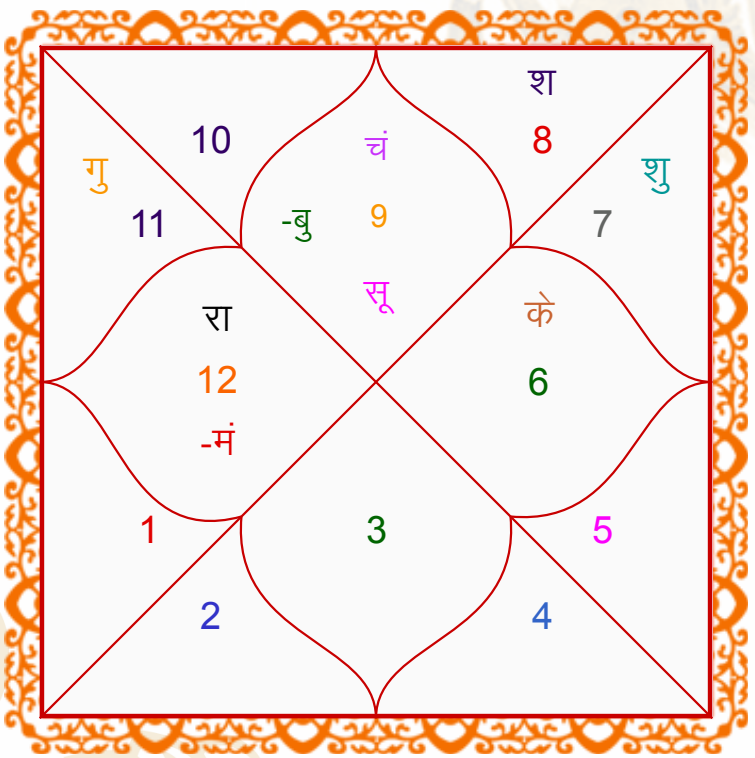

चन्द्र कुंडली

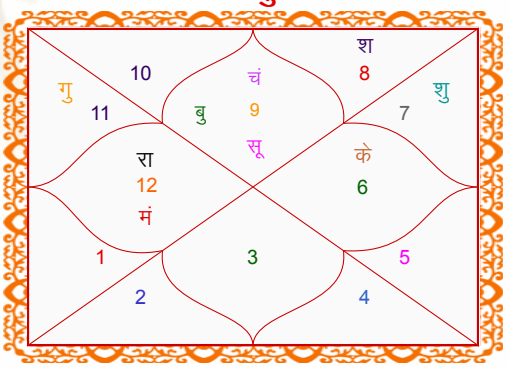

नवमांश कुंडली

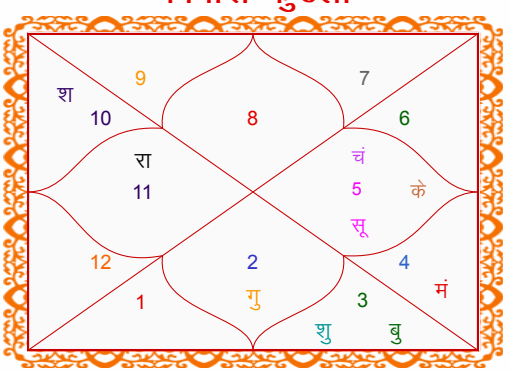

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	22	14	49	32	16	11	49
सप्तवर्गज बल	131	90	124	113	94	154	107
ओजयुग्मक बल	30	0	0	30	15	0	0
केन्द्र बल	60	60	60	60	15	30	15
द्रेष्काण बल	0	0	15	0	0	15	0
कुल स्थान बल	243	164	248	235	140	210	171
कुल दिग्बल	38	21	13	55	40	6	11
नतोन्नत बल	37	23	23	60	37	37	23
पक्ष बल	60	120	60	60	0	0	60
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	15	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	30	0	0
वार बल	0	0	0	45	0	0	0
होरा बल	0	0	0	60	0	0	0
अयन बल	1	60	27	60	23	6	59
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	98	202	109	360	151	43	141
कुल चेष्टाबल	0	0	30	2	25	40	9
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	1	1	-27	0	-22	3	7
कुल षट्बल	441	440	391	677	368	346	348
रूप षट्बल	7.3	7.3	6.5	11.3	6.1	5.8	5.8
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.5	1.2	1.3	1.6	0.9	1.0	1.2
संबंधित पद	2	4	3	1	7	6	5

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	8.13	1.52	38.44	7.60	20.10	20.96	21.38
कष्ट फल	46.64	52.48	18.00	40.15	39.21	31.01	23.13

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	368	348	368	391	346	346	677	440	677	346	391	391
भावदिग्बल	30	40	50	0	10	20	0	20	20	30	20	10
भावदृष्टि बल	2	1	21	21	27	57	69	24	33	22	47	8
कुल भाव बल	400	389	439	412	383	422	746	484	730	397	458	409
रूप भाव बल	6.7	6.5	7.3	6.9	6.4	7.0	12.4	8.1	12.2	6.6	7.6	6.8
संबंधित पद	9	11	5	7	12	6	1	3	2	10	4	8

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

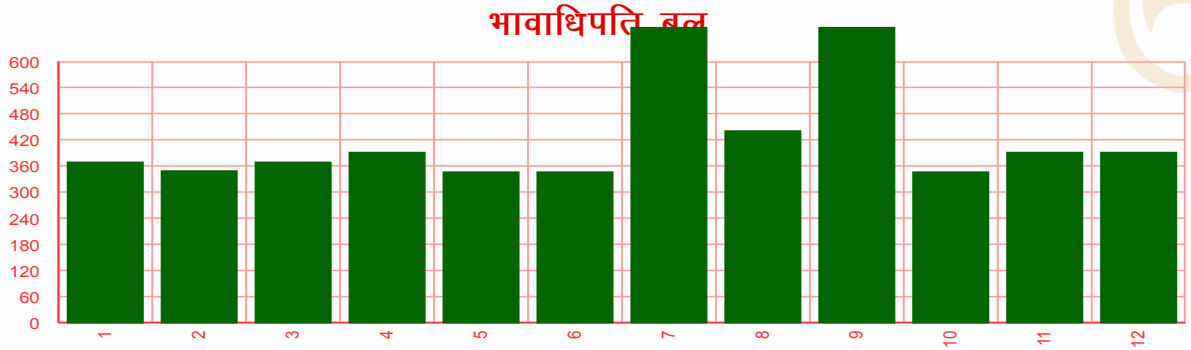

भावदिग्बल

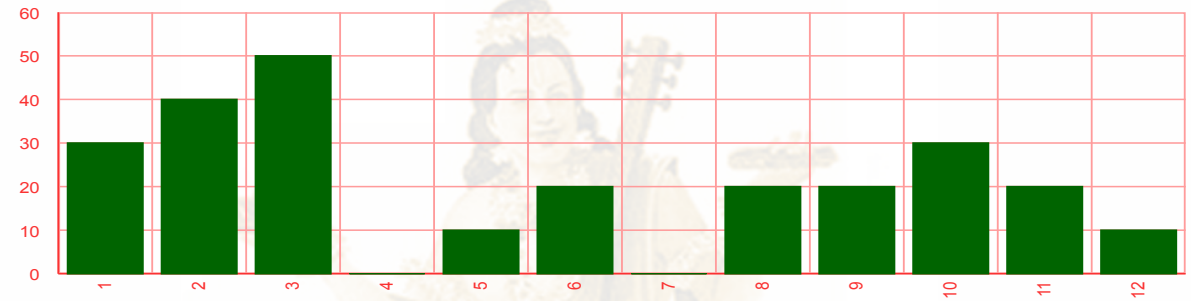

भावदृष्टि बल

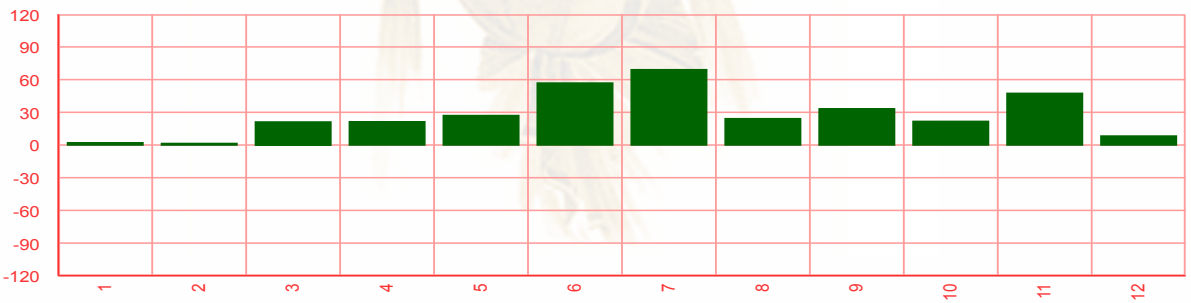

भाव बल

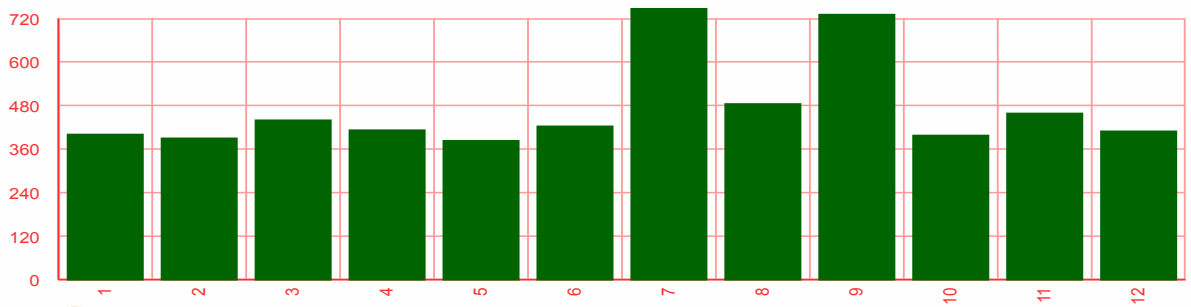

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 7 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष	
31/12/1986	
09/08/2004	
शुक्र	09/12/1987
सूर्य	08/12/1988
चंद्र	09/08/1990
मंगल	09/10/1991
राहु	09/10/1994
गुरु	09/06/1997
शनि	09/08/2000
बुध	09/06/2003
केतु	09/08/2004

सूर्य 6 वर्ष	
09/08/2004	
09/08/2010	
सूर्य	26/11/2004
चंद्र	28/05/2005
मंगल	03/10/2005
राहु	27/08/2006
गुरु	16/06/2007
शनि	28/05/2008
बुध	03/04/2009
केतु	09/08/2009
शुक्र	09/08/2010

चंद्र 10 वर्ष	
09/08/2010	
09/08/2020	
चंद्र	09/06/2011
मंगल	09/01/2012
राहु	09/07/2013
गुरु	08/11/2014
शनि	09/06/2016
बुध	08/11/2017
केतु	09/06/2018
शुक्र	08/02/2020
सूर्य	09/08/2020

मंगल 7 वर्ष	
09/08/2020	
09/08/2027	
मंगल	05/01/2021
राहु	23/01/2022
गुरु	30/12/2022
शनि	08/02/2024
बुध	04/02/2025
केतु	03/07/2025
शुक्र	02/09/2026
सूर्य	08/01/2027
चंद्र	09/08/2027

राहु 18 वर्ष	
09/08/2027	
09/08/2045	
राहु	22/04/2030
गुरु	14/09/2032
शनि	22/07/2035
बुध	07/02/2038
केतु	26/02/2039
शुक्र	26/02/2042
सूर्य	20/01/2043
चंद्र	21/07/2044
मंगल	09/08/2045

गुरु 16 वर्ष	
09/08/2045	
09/08/2061	
गुरु	27/09/2047
शनि	09/04/2050
बुध	15/07/2052
केतु	21/06/2053
शुक्र	20/02/2056
सूर्य	08/12/2056
चंद्र	09/04/2058
मंगल	16/03/2059
राहु	09/08/2061

शनि 19 वर्ष	
09/08/2061	
09/08/2080	
शनि	12/08/2064
बुध	22/04/2067
केतु	31/05/2068
शुक्र	31/07/2071
सूर्य	12/07/2072
चंद्र	11/02/2074
मंगल	22/03/2075
राहु	26/01/2078
गुरु	09/08/2080

बुध 17 वर्ष	
09/08/2080	
09/08/2097	
बुध	05/01/2083
केतु	02/01/2084
शुक्र	02/11/2086
सूर्य	09/09/2087
चंद्र	07/02/2089
मंगल	04/02/2090
राहु	24/08/2092
गुरु	30/11/2094
शनि	09/08/2097

केतु 7 वर्ष	
09/08/2097	
10/08/2104	
केतु	05/01/2098
शुक्र	07/03/2099
सूर्य	13/07/2099
चंद्र	11/02/2100
मंगल	10/07/2100
राहु	29/07/2101
गुरु	05/07/2102
शनि	13/08/2103
बुध	10/08/2104

शुक्र 20 वर्ष	
10/08/2104	
00/00/0000	
शुक्र	01/01/2107
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 7 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - सूर्य	
08/02/2020	
09/08/2020	
सूर्य	17/02/2020
चंद्र	03/03/2020
मंगल	14/03/2020
राहु	10/04/2020
गुरु	05/05/2020
शनि	03/06/2020
बुध	28/06/2020
केतु	09/07/2020
शुक्र	09/08/2020

मंगल - मंगल	
09/08/2020	
05/01/2021	
मंगल	17/08/2020
राहु	09/09/2020
गुरु	29/09/2020
शनि	22/10/2020
बुध	12/11/2020
केतु	21/11/2020
शुक्र	16/12/2020
सूर्य	23/12/2020
चंद्र	05/01/2021

मंगल - राहु	
05/01/2021	
23/01/2022	
राहु	03/03/2021
गुरु	23/04/2021
शनि	23/06/2021
बुध	16/08/2021
केतु	08/09/2021
शुक्र	11/11/2021
सूर्य	30/11/2021
चंद्र	01/01/2022
मंगल	23/01/2022

मंगल - गुरु	
23/01/2022	
30/12/2022	
गुरु	10/03/2022
शनि	03/05/2022
बुध	20/06/2022
केतु	10/07/2022
शुक्र	05/09/2022
सूर्य	22/09/2022
चंद्र	20/10/2022
मंगल	09/11/2022
राहु	30/12/2022

मंगल - शनि	
30/12/2022	
08/02/2024	
शनि	04/03/2023
बुध	01/05/2023
केतु	24/05/2023
शुक्र	31/07/2023
सूर्य	20/08/2023
चंद्र	23/09/2023
मंगल	16/10/2023
राहु	16/12/2023
गुरु	08/02/2024

मंगल - बुध	
08/02/2024	
04/02/2025	
बुध	30/03/2024
केतु	20/04/2024
शुक्र	20/06/2024
सूर्य	08/07/2024
चंद्र	07/08/2024
मंगल	28/08/2024
राहु	22/10/2024
गुरु	09/12/2024
शनि	04/02/2025

मंगल - केतु	
04/02/2025	
03/07/2025	
केतु	13/02/2025
शुक्र	10/03/2025
सूर्य	17/03/2025
चंद्र	30/03/2025
मंगल	07/04/2025
राहु	30/04/2025
गुरु	20/05/2025
शनि	12/06/2025
बुध	03/07/2025

मंगल - शुक्र	
03/07/2025	
02/09/2026	
शुक्र	12/09/2025
सूर्य	04/10/2025
चंद्र	08/11/2025
मंगल	03/12/2025
राहु	05/02/2026
गुरु	03/04/2026
शनि	09/06/2026
बुध	09/08/2026
केतु	02/09/2026

मंगल - सूर्य	
02/09/2026	
08/01/2027	
सूर्य	09/09/2026
चंद्र	19/09/2026
मंगल	27/09/2026
राहु	16/10/2026
गुरु	02/11/2026
शनि	22/11/2026
बुध	11/12/2026
केतु	18/12/2026
शुक्र	08/01/2027

मंगल - चंद्र	
08/01/2027	
09/08/2027	
चंद्र	26/01/2027
मंगल	07/02/2027
राहु	11/03/2027
गुरु	09/04/2027
शनि	13/05/2027
बुध	12/06/2027
केतु	24/06/2027
शुक्र	30/07/2027
सूर्य	09/08/2027

राहु - राहु	
09/08/2027	
22/04/2030	
राहु	04/01/2028
गुरु	15/05/2028
शनि	18/10/2028
बुध	07/03/2029
केतु	03/05/2029
शुक्र	14/10/2029
सूर्य	03/12/2029
चंद्र	23/02/2030
मंगल	22/04/2030

राहु - गुरु	
22/04/2030	
14/09/2032	
गुरु	16/08/2030
शनि	02/01/2031
बुध	06/05/2031
केतु	27/06/2031
शुक्र	20/11/2031
सूर्य	02/01/2032
चंद्र	15/03/2032
मंगल	06/05/2032
राहु	14/09/2032

राहु - शनि	
14/09/2032	
22/07/2035	
शनि	26/02/2033
बुध	23/07/2033
केतु	22/09/2033
शुक्र	15/03/2034
सूर्य	06/05/2034
चंद्र	31/07/2034
मंगल	30/09/2034
राहु	05/03/2035
गुरु	22/07/2035

राहु - बुध	
22/07/2035	
07/02/2038	
बुध	01/12/2035
केतु	24/01/2036
शुक्र	28/06/2036
सूर्य	13/08/2036
चंद्र	30/10/2036
मंगल	23/12/2036
राहु	12/05/2037
गुरु	13/09/2037
शनि	07/02/2038

राहु - केतु	
07/02/2038	
26/02/2039	
केतु	02/03/2038
शुक्र	05/05/2038
सूर्य	24/05/2038
चंद्र	25/06/2038
मंगल	17/07/2038
राहु	13/09/2038
गुरु	03/11/2038
शनि	03/01/2039
बुध	26/02/2039

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - शुक्र	
26/02/2039	
26/02/2042	
शुक्र	28/08/2039
सूर्य	21/10/2039
चंद्र	21/01/2040
मंगल	25/03/2040
राहु	05/09/2040
गुरु	29/01/2041
शनि	22/07/2041
बुध	24/12/2041
केतु	26/02/2042

राहु - सूर्य	
26/02/2042	
20/01/2043	
सूर्य	14/03/2042
चंद्र	11/04/2042
मंगल	30/04/2042
राहु	18/06/2042
गुरु	01/08/2042
शनि	22/09/2042
बुध	07/11/2042
केतु	27/11/2042
शुक्र	20/01/2043

राहु - चंद्र	
20/01/2043	
21/07/2044	
चंद्र	07/03/2043
मंगल	08/04/2043
राहु	29/06/2043
गुरु	10/09/2043
शनि	06/12/2043
बुध	22/02/2044
केतु	25/03/2044
शुक्र	24/06/2044
सूर्य	21/07/2044

राहु - मंगल	
21/07/2044	
09/08/2045	
मंगल	13/08/2044
राहु	09/10/2044
गुरु	29/11/2044
शनि	29/01/2045
बुध	24/03/2045
केतु	16/04/2045
शुक्र	19/06/2045
सूर्य	08/07/2045
चंद्र	09/08/2045

गुरु - गुरु	
09/08/2045	
27/09/2047	
गुरु	21/11/2045
शनि	24/03/2046
बुध	12/07/2046
केतु	27/08/2046
शुक्र	04/01/2047
सूर्य	12/02/2047
चंद्र	18/04/2047
मंगल	02/06/2047
राहु	27/09/2047

गुरु - शनि	
27/09/2047	
09/04/2050	
शनि	21/02/2048
बुध	01/07/2048
केतु	24/08/2048
शुक्र	25/01/2049
सूर्य	12/03/2049
चंद्र	28/05/2049
मंगल	21/07/2049
राहु	07/12/2049
गुरु	09/04/2050

गुरु - बुध	
09/04/2050	
15/07/2052	
बुध	05/08/2050
केतु	22/09/2050
शुक्र	07/02/2051
सूर्य	20/03/2051
चंद्र	28/05/2051
मंगल	16/07/2051
राहु	17/11/2051
गुरु	06/03/2052
शनि	15/07/2052

गुरु - केतु	
15/07/2052	
21/06/2053	
केतु	04/08/2052
शुक्र	30/09/2052
सूर्य	17/10/2052
चंद्र	14/11/2052
मंगल	04/12/2052
राहु	24/01/2053
गुरु	11/03/2053
शनि	04/05/2053
बुध	21/06/2053

गुरु - शुक्र	
21/06/2053	
20/02/2056	
शुक्र	30/11/2053
सूर्य	18/01/2054
चंद्र	09/04/2054
मंगल	05/06/2054
राहु	29/10/2054
गुरु	08/03/2055
शनि	09/08/2055
बुध	25/12/2055
केतु	20/02/2056

गुरु - सूर्य	
20/02/2056	
08/12/2056	
सूर्य	06/03/2056
चंद्र	30/03/2056
मंगल	16/04/2056
राहु	30/05/2056
गुरु	08/07/2056
शनि	23/08/2056
बुध	04/10/2056
केतु	21/10/2056
शुक्र	08/12/2056

गुरु - चंद्र	
08/12/2056	
09/04/2058	
चंद्र	18/01/2057
मंगल	15/02/2057
राहु	29/04/2057
गुरु	03/07/2057
शनि	18/09/2057
बुध	26/11/2057
केतु	25/12/2057
शुक्र	16/03/2058
सूर्य	09/04/2058

गुरु - मंगल	
09/04/2058	
16/03/2059	
मंगल	29/04/2058
राहु	19/06/2058
गुरु	04/08/2058
शनि	27/09/2058
बुध	14/11/2058
केतु	04/12/2058
शुक्र	30/01/2059
सूर्य	16/02/2059
चंद्र	16/03/2059

गुरु - राहु	
16/03/2059	
09/08/2061	
राहु	26/07/2059
गुरु	20/11/2059
शनि	06/04/2060
बुध	09/08/2060
केतु	29/09/2060
शुक्र	22/02/2061
सूर्य	07/04/2061
चंद्र	19/06/2061
मंगल	09/08/2061

शनि - शनि	
09/08/2061	
12/08/2064	
शनि	30/01/2062
बुध	04/07/2062
केतु	07/09/2062
शुक्र	09/03/2063
सूर्य	03/05/2063
चंद्र	02/08/2063
मंगल	05/10/2063
राहु	18/03/2064
गुरु	12/08/2064

शनि - बुध	
12/08/2064	
22/04/2067	
बुध	29/12/2064
केतु	24/02/2065
शुक्र	07/08/2065
सूर्य	25/09/2065
चंद्र	16/12/2065
मंगल	12/02/2066
राहु	09/07/2066
गुरु	17/11/2066
शनि	22/04/2067